कृषि विज्ञान केन्द्र, द्वारा दिनाँक 29.12.2016 को जय किसान-जय विज्ञान सप्ताह के अन्तर्गत प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, भाकृअनुप-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा आज जय किसान-जय विज्ञान सप्ताह के अन्तिम दिन दिनांक 29.12.2016 को दो प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उदघाट्न सत्र में प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र डा0 बृजपाल सिंह द्वारा जय किसान-जय विज्ञान सप्ताह के आयोजन के संबंध में माननीय पूर्व प्रधानमंत्री चै0 चरण सिंह तथा श्री अटल बिहारी वाजपेई के कृषि एवं विज्ञान के विकास में योगदान पर चर्चा की। इस अवसर पर सस्य विज्ञान इकाई द्वारा गन्ने में संसाधन संरक्षण विषय पर हमीरपुर गाॅव के 25 कृषकों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें गन्ना रोपण की ट्रेंच विधि, रिंग विधि, लीफ विधि के साथ गन्ने की लाइनो के मध्य लाही, सरसो, मटर, धनिया आदि की सहफसली खेती के बारे में बताया। आपने फसलो के बीजों के षोधन की वैज्ञानिक विधि व रबी फसलो की उत्पादन तकनीकी के बारे में बताया गया। दूसरा प्रशिक्षण बागवानी इकाई द्वारा प्याज एवं लहसुन की उत्पादन तकनीकी विषय पर आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में परधौली व हमीरपुर गाॅव के 24 कृशक भाग ले रहे है। प्रशिक्षण में प्याज की रोपाई, खड़ी फसल में कीट बीमारी नियंत्रण व हरी प्याज की गड्डी बनाकर बिक्री करने की जानकारी दी। सभी प्रषिक्षणार्थियों को जिला उद्यान विभाग बरेली द्वारा आयोजित उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण मेले में भ्रमण भी कराया गया जहां पर कृषि विज्ञान केन्द्र से जुड़े कृषकों एवं अन्य संस्थाओं के स्टालो पर कृषकों ने अपनी आवष्यकताओ/समस्याओ से सम्बन्धित उत्पाद, पौध, दवा आदि की जानकारी प्राप्त की।

इसी कार्यक्रम में आयोजित हो रही बागवानी गोश्ठी में बैठकर कृषकों ने बरेली के आयुक्त महोदय, जिला अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी महोदय के विचारों एवं योजनाओं के बारे में तथा विषेशज्ञो द्वारा प्रस्तुत कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त की। डा. महेष चन्दर, अध्यक्ष प्रसार षिक्षा विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी एवं विषेशज्ञों श्री रंजीत सिहं एवं श्री राकेष पांडेय द्वारा कृषि, बागवानी विशयों में तथा कृषकों के उत्साहवर्धन हेतु व्याख्यान दिये गये। कल दिनांक 30.12.16 को कृषकों को गन्ने की ट्रेंच विधि एवं प्याज एवं लहसुन के सफल कृषकों के खेतों का शैक्षणिक भ्रमण तथा उनके साथ वार्ता कराई जायेगी।